Dainik Bhaskar (Indore), 14th August 2022, Frontpage-06

दीक्षांत समारोह • 490 छात्रों को पहली बार डिजिटल डिग्री, 13 को मेडल से नवाजा

1400 करोड़ से होगा IIT के तीसरे चरण का विकास

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी इंदौर में रविवार को दीक्षांत समारोह हुआ। 490 छात्रों को डिग्री दी गई। इनमें 269 बीटेक, 61 पीएचडी, 88 एमएससी, 65 एमटेक और 7 एमएस (रिसर्च) के छात्र शामिल थे। 13 छात्रों को मेडल से नवाजा गया। पहली बार छात्रों को ब्लॉकचेन-आधारित डिजिटल डिग्री प्रमाण पत्र जारी किया गया। इसे क्रिप्टोग्राफिक रूप से संरक्षित किया जा सकता है। इसका फायदा यह है कि प्रमाण पत्र के साथ किसी तरह की छेड़छाड़ नहीं हो सकेगी। हार्ड कॉपी को मैन्युअल रूप से स्कैन किए बिना विश्व स्तर पर कहीं भी सत्यापित किया जा सकेगा। आईआईटी इंदौर इस साल के अंत में 10 साल पुराने छात्रों के लिए एलुमनाई मीट का आयोजन भी करेगा। समारोह में ऑनलाइन जुड़े मुख्य अतिथि भारत के परमाणु ऊर्जा आयोग और भारत सरकार के पूर्व सचिव डॉ. अनिल काकोडकर ने कहा उच्च शैक्षणिक संस्थाएं अपने आसपास के गांव का एक क्लस्टर बनाकर ज्ञान और प्रौद्योगिकी का समावेश करें।

छात्रों के लिए तैयार होगी नई लैब और होस्टल

आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा 1400 करोड़ से आईआईटी के तीसरे चरण का विकास होगा। इसमें कई प्रयोगशाला, होस्टल, बाहरी खेल सुविधाएं विकसित होंगी। इसके तहत ही 500 एकड़ के आईआईटी के कैंपस में से 200 एकड़ पर संस्थान द्वारा मौजूद जंगल को ही संरक्षित किया जा रहा है। कैंपस के अंदर अमृत सरोवर और झील विकसित करने की योजना है। उन्होंने कहा अब तक दाखिल 83 पेटेंट में से 19 पेटेंट मिल गए हैं। सरकार ने आईआईटी इंदौर में 9.68 करोड़ रुपए से जयप्रकाश नारायण सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाने की अनुमति दी है। इसका उद्देश्य होगा डिजिटल ह्यूमेनिटी के क्षेत्र में काम करना। दूसरे चरण में आईआईटी में 31 नई बिल्डिंग का निर्माण किया है।

प्रो. सुहास जोशी

4 माह का बेटा गोद में लेकर डिग्री लेने पहुंची पीएचडी छात्रा श्रुति

▪ ये हैं पीएचडी छात्रा श्रुति प्यासी। वे 4 माह का बेटा और 9 साल की बेटी के साथ डिग्री लेने पहुंचीं। भारत में जानवरों पर असर करने वाले वायरस की खोज और इसकी दवाई बनाने वाली वे पहली महिला हैं।

▪ बूटी फाउंडेशन का गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाली एमएससी की छात्रा अंकिता मोंडल ने कृषि अपशिष्ट का उपयोग कर प्रदूषण रहित ईंधन बनाने पर शोध किया।

▪ गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाली प्रीति झा ने इस पर शोध किया कि किस प्रजाति के सोयाबीन का बीज सबसे ज्यादा रोग प्रतिरोधक होगा।